भारत - कैमरून संबंध

राजनीतिक संबंध

भारत और कैमरून के बीच संबंध मैत्रीपूर्ण एवं सौहार्द्रपूर्ण हैं। कैमरून के नेता अफ्रीका के लिए भारत के योगदान, इसके धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र तथा आर्थिक प्रगति तथा गुटनिरपेक्ष आंदोलन के लिए इसके द्वारा प्रदान किए गए नेतृत्व की सराहना करते हैं। कैमरून ने राष्ट्रमंडल के महासचिव के पद के लिए भारत की उम्मीदवारी की सक्रियता से समर्थन किया। अबूजा में भारत के उच्चायुक्त को समवर्ती रूप से कैमरून का भी काम सौंपा जाता है।

द्विपक्षीय यात्राएं दोनों देशों की सरकारों द्वारा द्विपक्षीय संबंधों को जो महत्व दिया जाता है उसकी वजह से दोनों देशों के बीच उच्च स्तर पर अनेक यात्राएं हुई हैं। कुछ प्रमुख शिष्टमंडलों का ब्यौरा यहां नीचे दिया गया है :

कैमरून की ओर से :

अध्यक्ष श्री पौल बिया	नाम शिखर बैठक में भाग लेने के लिए मार्च 1983
प्रधानमंत्री श्री फिलोमन यांग	मार्च 2013 - अफ्रीका - सी आई आई / एग्जिम बैंक गोष्ठी में भाग लेने के लिए 7 मंत्रियों एवं एक बड़े कारोबारी शिष्टमंडल के साथ नई दिल्ली आए
श्री एम्मानुएल नगानोऊ डोगमास, अर्थव्यवस्था एवं आयोजना मंत्री तथा श्रीमती बैंकांग मबोक कैथरीन, समाज कल्याण मंत्री	12 से 16 सितंबर 2012 - कसावा प्लांटेशन परियोजना के लिए 42 मिलियन डालर के ऋण पर हस्ताक्षर के लिए भारत का दौरा किया।
श्री अंगोयुएन मिचेल एंजे, लोक सेवा एवं प्रशासनिक सुधार मंत्री	अक्टूबर 2012 - राष्ट्रमंडल लोक प्रशासन एवं प्रबंधन संघ (सी ए पी ए एम) के तीन दिवसीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया।
आयोजना एवं क्षेत्रीय विकास मंत्री श्री दजमोउमेस्सी नगानोऊ एमानुएल	मार्च 2012 - सी आई आई गोष्ठी में भाग लेने के लिए नई दिल्ली का दौरा किया।
श्री एडगर एलेन मेबे नगो, रक्षा मंत्री	मार्च 2012 - डिफेंस एक्सपो इंडिया 2012 में भाग लेने के लिए नई दिल्ली का दौरा किया
विदेशी संबंध मंत्री श्री मबेला मबेला लेजिने	26 से 30 अक्टूबर, 2015 - उन्होंने 26 से 30 अक्टूबर, 2015 तक भारत - अफ्रीका मंच की तीसरी शिखर बैठक में भाग लेने के लिए कैमरून के शिष्टमंडल का नेतृत्व किया।

भारत की ओर से :

औद्योगिक विकास राज्य मंत्री ने कैमरून का दौरा किया	फरवरी 1988
विदेश राज्य मंत्री ने कैमरून का दौरा किया	अप्रैल, 1990
विदेश मंत्री ने न्यूयार्क में कैमरून के विदेश मंत्री से मुलाकात की	सितंबर, 2002
शर्म अल शेख, मिश्र में ए यू शिखर बैठक में राज्य मंत्री (ए एस) ने कैमरून के वित्त मंत्री से मुलाकात की	जून, 2008
प्रो. राम शंकर कठारिया, राज्य मंत्री (मानव संसाधन विकास)	14 और 15 सितंबर, 2015 - अक्टूबर 2015 में आयोजित भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक (आई ए एफ एस III) में भाग लेने के लिए बेनिन के राष्ट्रपति को निमंत्रण पत्र सौंपने के लिए

वाणिज्यिक एवं व्यापार संबंध :
सहयोग एवं निवेश के लिए संभावना वाले प्रमुख क्षेत्र इस प्रकार हैं : तेल एवं खनन, टेलीकॉम, उर्वरक, तेल एवं गैस, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, वानिकी, आई टी, रेलवे एवं भारतीय उपभोक्ता माल तथा लाइट इंजीनियरिंग गुड्स।

द्विपक्षीय व्यापार पिछले कुछ वर्षों में भारत और कैमरून के बीच द्विपक्षीय व्यापार में निरंतर वृद्धि हो रही है। 2014-15 के दौरान द्विपक्षीय व्यापार 994 मिलियन अमरीकी डालर के आसपास था। कैमरून को भारत के निर्यात में पिछले वर्ष की तुलना में थोड़ी गिरावट आई तथा यह पिछले वर्ष में 259 मिलियन अमरीकी डालर से घटकर 2014-15 में 249 मिलियन अमरीकी डालर रह गया। तथापि, कैमरून से भारत के आयात में 177 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 2013-14 में 268 मिलियन अमरीकी डालर से बढ़कर 2014-15 में 745.35 मिलियन अमरीकी डालर पर पहुंच गया। द्विपक्षीय व्यापार 2013-14 में 527 मिलियन अमरीकी डालर से लगभग दुगना बढ़कर 2014-15 में 994 मिलियन अमरीकी डालर पर पहुंच गया।

भारत - कैमरून द्विपक्षीय व्यापार की सांख्यिकी (मिलियन अमरीकी डालर में मूल्य)

व्यापार	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
भारत का निर्यात	118.07	196	251	259.62 (3.4 प्रतिशत)	249.13 (-4 प्रतिशत)
भारत का आयात	138.10	524	443	268.20 (-39 प्रतिशत)	745.35 (177 प्रतिशत)

परियोजनाएं एवं गतिविधियां :

कैमरून एल्युमिना लिमिटेड : मई 2009 में कैमरून एल्युमिना लिमिटेड (सी ए एल) ने अडमावा क्षेत्र में बाक्साइट के अन्वेषण के लिए एक परिसंघ में कैमरून के प्राधिकारियों के साथ बातचीत शुरू की जिसमें भारत के हिंडालको (45 प्रतिशत), दुबाल (45 प्रतिशत) और यू एस कंपनी हाइड्रामाइन (10 प्रतिशत) के शेयर हैं। हालांकि यह परियोजना इस समय तकनीकी - आर्थिक संभाव्यता के चरण पर है, इसके तहत एक एल्युमिना संयंत्र स्थापित करने तथा रेल एवं बंदरगाह अवसंरचना का विकास करने की परिकल्पना है। सी ए एल तथा कैमरून के प्राधिकारियों के बीच वार्ता जारी है।

अखिल अफ्रीकी ई - नेटवर्क परियोजना की शुरुआत कैमरून में जून 2010 में हुई। कैमरून राज्य क्षेत्रीय विश्वविद्यालय याउंडे तथा इसके अस्पताल में टेली एजुकेशन एवं टेलीमेडिसिन परियोजनाएं स्थापित की गई हैं तथा संतोषप्रद ढंग से काम कर रही हैं।

कृषि क्षेत्र :

- नाइजीरिया आधारित एन आर आई कृषि व्यापार ओलम इंटरनेशनल के कैमरून में बड़े पैमाने पर प्रचालन हैं, जिसके तहत कॉफी (7500 हेक्टेयर), कोको (12,000 हेक्टेयर) की खेती की जाती है तथा ये इन दो नकदी फसलों में देश के पहले और दूसरे सबसे बड़े उत्पादक हैं। यह कैमरून में चावल का आयात भी करता है। कैमरून में इसका कुल वार्षिक टर्नओवर 120 मिलियन डालर के आसपास है।

- 2007 में भारत सरकार ने कैमरून सरकार को 60 ट्रैक्टर एवं कृषि औजारों को उपहार में दिया था। भारत ने कैमरून में खेती को बढ़ावा देने के लिए ऋण सहायता भी प्रदान की है।

ऋण सहायता :

29 मई 2009 को चावल एवं मक्का की खेती की एक एक परियोजना के वित्त पोषण के लिए कैमरून के लिए भारत से 37.65 मिलियन डालर की ऋण सहायता को सक्रिय किया गया। सितंबर 2012 में भारत और कैमरून ने कैमरून में कसावा प्लांटेशन परियोजना के लिए 42 मिलियन डालर की एक नई ऋण सहायता पर हस्ताक्षर किया।

संस्कृति एवं शिक्षा :

वर्ष 2011-12 के दौरान कैमरून के लिए भारत के तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आई टी ई सी) कार्यक्रम के तहत आवंटित 31 स्लाटों में से 15 का उपयोग किया गया। वर्ष 2012-13 के दौरान आवंटित किए गए 31 स्लाटों में से 28 का उपयोग किया गया तथा वर्ष 2013-14 के लिए 35 स्लाटों का उपयोग किया गया है। वर्ष 2014 - 15 में 27 स्लाटों का उपयोग किया गया। 2015-16 के दौरान, कैमरून को 32 आई सी सी आर स्लाट आवंटित किए गए हैं। विदेश मंत्रालय के विदेश सेवा संस्थान द्वारा आयोजित एक माह के पी सी एफ डी पाठ्क्रम में कैमरून के एक राजनयिक ने अगस्त 2012 में भाग लिया।

संस्कृति एवं मीडिया कैमरून में भारतीय फिल्में लोकप्रिय हैं तथा एक स्थानीय चैनल कैपिटल टी वी नियमित रूप से भारतीय फिल्मों का प्रसारण करता है। आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित एक राजस्थानी लोक नृत्य मंडली ने नवंबर 2010 में दोआला, कैमरून में अपनी कला का प्रदर्शन किया। आधिकारिक तौर पर कैमरून एक फ्रेंच - अंग्रेजी द्विभाषी देश है, हालांकि अधिकांश सरकारी काम फ्रेंच भाषा में होता है। 2013 में भारत के एक अवैतनिक कोंसुल द्वारा भारतीय फिल्म महोत्सव का आयोजन किया गया। कैमरून में भारतीय सिनेमा के 100 वर्ष पूरा होने का जश्न मनाने के लिए कैमरून में भारत के अवैतनिक कोंसुल तथा भारतीय समुदाय द्वारा फ्रेंच भाषा में उप शीर्षक के साथ इंस्टीट्यूट फ्रैंकेस डू कैमरून के साथ मिलकर 25 सितंबर, 2013 से 13 दिसंबर, 2013 तक एक भारतीय फिल्म महोत्सव का आयोजन किया गया।

भारतीय समुदाय कैमरून में लगभग 700-800 भारतीय प्रवासी रहते हैं जो ज्यादातर व्यापार एवं छोटे कारोबार में लिप्त हैं। इसके अलावा कुछ प्रोफेशनल भी हैं। हालांकि भारतीयों का आमतौर पर अच्छी तरह सम्मान किया जाता है, फरवरी 2008 में कैमरून में राजनीतिक संकट के दौरान दोआला स्थित एक भारतीय विनिर्माण यूनिट को नष्ट कर दिया गया। कुछ वाणिज्यिक विवादों में भारतीय नागरिकों के विरुद्ध शारीरिक हिंसा की कुछ घटनाओं की भी रिपोर्टें थीं।

वायु संपर्कभारत के साथ कोई सीधा हवाई संपर्क नहीं है। कैमरून के लिए उड़ान भरने वाली एयर लाइनों में एयर फ्रांस, एयर गैबन, ब्रिटिश एयरवेज, कीनिया एयरवेज तथा इथोपिया एयरलाइंस शामिल हैं। अफ्रीका के अनेक डेस्टिनेशन तक संपर्क मौजूद हैं, जिसमें बेनिन, कोटे डि आइवरी, नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका एवं टोगो के लिए नियमित उड़ाने शामिल हैं। पेरिस के लिए प्रति सप्ताह 5 उड़ानों के अलावा कैमरून सप्ताह में एक बार ब्रुसेल्स एवं जुरिख से सीधी उड़ानों के माध्यम से जुड़ा है।

वीजा कैमरून की यात्रा करने वाले भारतीयों को वीजा की जरूरत होती है। जैसा कि अभी तक भारत में कैमरून का कोई रेजीडेंट उच्चायोग नहीं है, इसलिए इसे अन्यत्र से प्राप्त करने की जरूरत होती है। यदि यात्रा से पर्याप्त समय रहते हुए संपर्क किया जाता है तो दोआला में स्थित कैमरून के लिए भारत के अवैतनिक कोंसुल आगमन पर वीजा प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं। भारत की यात्रा करने वाले कैमरून के नागरिकों को वीजा प्राप्त करने की जरूरत होती है जिसे लागोस एवं अबूजा स्थित भारत के कोंसुलर अनुभागों से सीधे प्राप्त किया जा सकता है। इसे दोआला में स्थित कैमरून के लिए भारत के अवैतनिक कोंसुल की सेवाओं के माध्यम से भी प्राप्त किया जा सकता है, बशर्ते काफी समय पहले इसके लिए आवेदन किया जाए।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय उच्चायोग, अबुजा की वेबसाइट :
http://hcindia-abuja.org/index.php

*****

फरवरी, 2016